तू देकर भूलने वाला | By Gyan Pankaj

तेरा कैसे क़र्ज़ चुकाऊं,कितने एहसान गिनाऊँ
तू देकर भूलने वाल ।, मैं हर पल हाथ फैलाऊं

जब पूरी मांग हुई जो दूजी फ़रियाद लगाईं
जब जब भी पड़ी ज़रूरत मुझे तेरी याद ही आई
तेरे ही भरोसे बाबा सपनो के महल बनाऊं
तू देकर भूलने वाल ।, मैं हर पल हाथ फैलाऊं

मन पापी तन मैला है तुझे कैसे और कहूं मैं
तू दाता मैं हूँ भिखारी कैसा व्यवहार करूँ मैं
अपनी औकात में रहकर चरणों से भीख उठाऊं
तू देकर भूलने वाल ।, मैं हर पल हाथ फैलाऊं

अब तक जो साथ चले हो तुम हाथ पकड़ के मेरा
कल भी ये एहसास दिलाना के मैं साथी हूँ तेरा
पंकज कहता सांवरिया तेरा हर पल शुक्र मनाऊं
तू देकर भूलने वाल ।, मैं हर पल हाथ फैलाऊं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%ad%e0%a5%82%e0%a4%b2%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-gyan-pankaj/